अभ्यास पत्रक

पाठ: 5 - नहीं होना बीमार

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) जब नानाजी ने बच्चे का माथा छुआ तो उन्हें क्या पता चला?

(क) बच्चे को तेज बुखार है। (ख) बच्चे को बुखार नहीं है।

(ग) बच्चे का पेट दुख रहा है। (घ) बच्चा बहुत कमजोर है।

(ii) बच्चे को किस भोजन की खुशबू आ रही थी, जिसे सुनकर वह रजाई फेंककर खड़ा हो गया?

(क) साबूदाने की खीर (ख) खस्ता कचौड़ी

(ग) दाल-चावल और तली हुई हरी मिर्च (घ) मावे की बर्फी

(iii) बच्चे ने सोचा कि साबूदाने की खीर सिर्फ कब बनाई जाती है?

(क) होली-दिवाली पर (ख) जन्मदिन पर

(ग) मेहमान आने पर (घ) उपवास और बीमारी में

(iv) "अक्लमन्द! और बनो बीमार।" - यह बात बच्चा किससे कह रहा था?

(क) नानाजी से (ख) मुन्नू से (ग) स्वयं से (घ) नानीजी से

(v) जब बच्चा बिस्तर पर ऊब गया तो उसे सबसे ज्यादा किस चीज की याद आई?

(क) अपनी किताबों की (ख) रिसेस में ठेले पर मिलने वाले अमरूद की

(ग) अपने खिलौनों की (घ) टेलीविजन की

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) घर में थर्मामीटर क्यों नहीं मिला?

उत्तर- .....

(ii) बच्चे ने बाहर की चहल-पहल देखने की इच्छा होने पर भी बिस्तर क्यों नहीं छोड़ा?

उत्तर- .....

(iii) बच्चे को कब महसूस हुआ कि स्कूल चला जाता तो ही ठीक रहता?

उत्तर- .....

(iv) बच्चे को घर में चल रही गतिविधियों का अनुमान कैसे लग रहा था?

उत्तर- .....

egyanarchive

(v) नानाजी ने बच्चे को भूखा रखने का क्या कारण बताया?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) "फल या साबूदाने की खीर मिलने की उम्मीद की तो सुबह ही हत्या हो चुकी थी।" - इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- .....

.....

(ii) बच्चे के मन में जलन, गुस्सा और कुढ़न के भाव क्यों आए?

उत्तर- .....

.....

(iii) आपको ऐसा क्यों लगता है कि नानाजी और नानीजी शायद बच्चे का बहाना समझ गए थे?

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) कहानी के अंत में लेखक कहते हैं, "उस पूरे दिन मुझे भूखे पेट ही रहना पड़ा। सारे विकार निकल गए।" यहाँ 'विकार' शब्द का क्या अर्थ है? नानाजी के अनुसार कौन-से विकार निकलने थे और असल में बच्चे के कौन-से मानसिक विकार दूर हुए?

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 2)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ख) बच्चे को बुखार नहीं है।

(ii) (ग) दाल-चावल और तली हुई हरी मिर्च

(iii) (घ) उपवास और बीमारी में

(iv) (ग) स्वयं से

(v) (ख) रिसेस में ठेले पर मिलने वाले अमरूद की

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) घर में थर्मामीटर इसलिए नहीं मिला क्योंकि शायद उसे कोई माँगकर ले गया था।

(ii) बच्चे ने बिस्तर इसलिए नहीं छोड़ा क्योंकि वह बीमार होने का नाटक कर रहा था और पकड़े जाने का डर था।

(iii) जब बच्चे को भूख लगी और उसे एहसास हुआ कि उसे खाने को कुछ नहीं मिलेगा, तब उसे लगा कि स्कूल चला जाता तो ही ठीक रहता।

(iv) बच्चे को घर में चल रही गतिविधियों का अनुमान आवाजों (जैसे नहाने, साइकिल उठाने, बर्तनों की खटर-पटर) से लग रहा था।

(v) नानाजी ने बच्चे को भूखा रखने का कारण बताया कि इससे शरीर के सारे विकार निकल जाएँगे।

3. संक्षिप्त उत्तर:

(i) इस पंक्ति का आशय है कि जब नानाजी ने उसे कड़वी पुड़िया और काढ़ा देकर भूखे पेट आराम करने को कह दिया, तभी बच्चे की फल या स्वादिष्ट खीर खाने की सारी उम्मीदें खत्म हो गई थीं।

(ii) बच्चे के मन में जलन, गुस्सा और कुढ़न के भाव इसलिए आए क्योंकि उसे तो भूखा रखा गया था, जबकि उसी समय मुन्नू उसके सामने मजे से आम चूस रहा था। यह देखकर उसे बहुत ईर्ष्या हुई।

(iii) ऐसा इसलिए लगता है क्योंकि नानाजी ने बिना बुखार के ही उसे कड़वी दवा और भूखे रहने की सजा दी, जो अक्सर बहाना करने वाले बच्चों को सबक सिखाने के लिए किया जाता है। उन्होंने थर्मामीटर पर भी ज्यादा जोर नहीं दिया और भूखे रहने को ही सबसे अच्छा इलाज बताया, जो बच्चे के लिए सबसे बड़ी सजा साबित हुई।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर: (i) यहाँ 'विकार' शब्द के दो अर्थ हैं।

- **नानाजी के अनुसार (शारीरिक विकार):** नानाजी के लिए 'विकार' का अर्थ था शरीर की बीमारियाँ या अशुद्धियाँ। उनका मानना था कि उपवास रखने या भूखे रहने से पाचन तंत्र को आराम मिलता है और शरीर के अंदर की बीमारियाँ ठीक हो जाती हैं। इसलिए उन्होंने बच्चे को भूखा रखा ताकि उसके शरीर के 'विकार' निकल जाएँ।
- **असल में (मानसिक विकार):** वास्तव में, बच्चे के शरीर में कोई बीमारी नहीं थी। उसके मन में 'विकार' थे, जैसे - काम से बचने के लिए झूठ बोलना, आलस (होमवर्क न करना), और लालच (स्वादिष्ट खाने की उम्मीद)। दिन भर भूखे रहने, बोर होने और अंत में मुन्नू से ईर्ष्या करने के बुरे अनुभव ने बच्चे के इन मानसिक विकारों को दूर कर दिया। उसे समझ आ गया कि झूठ बोलने और बहाना बनाने का परिणाम बहुत बुरा होता है। इस तरह, भूखे रहने की सजा ने उसके मन के विकारों को सचमुच बाहर निकाल दिया और उसे एक बड़ी सीख दी।